Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Semester wise Syllabus for P.G.
As recommended by Central board of Studies and
Approved by HE the Governor of M.P.

FOR COLLEGE ONLY

M.A. M.Sc. PHILOSOPHY Exam. Dec. 2018
First/Third Semester
Pages 01 to 04

SESSION 2013-14

पूर्णांकः 85+15=100

Class-	M.A.
Subject-	Philosophy
Paper Title	भारतीय ज्ञान मीमांसा
Semester-	प्रथम
Course I(पेपर)	प्रथम

प्रथम इकाई

(अ) ज्ञान का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
(ब) ज्ञान का वर्गीकरणः प्रमा एवं अप्रमा
(स) संशय, तर्क एवं भ्रम
(द) ख्यातिवादः आत्मख्याति, असत्ख्याति, अख्याति, अन्यथाख्याति अनिर्वचनीय ख्याति।

द्वितीय इकाई

(अ) प्रामाण्य की परिभाषा एवं स्वरूप
(ब) प्रामाण्य का वर्गीकरणः स्वतः प्रामाण्य, परतः प्रामाण्य
(स) प्रमाण का अर्थ एवं प्रकार, प्रमाण–व्यवस्था
(द) चार्वाकः प्रत्यक्ष प्रमाण का स्वरुप, अन्य प्रमाणों का खण्डन

तृतीय इकाई

(अ) जैन दर्शन का नय विचार
(ब) अनेकान्तवाद
(स) बौद्ध दर्शन का अपोहवाद
(द) न्याय एवं मीमांसा के अनुसार प्रत्यक्ष विचार

चतुर्थ इकाई

(अ) अनुमान का स्वरुप एवं प्रकार
(ब) व्याप्ति का स्वरुप एवं प्रकार
(स) हेत्वाभास
(द) उपमान

पंचम इकाई

(अ) शब्द प्रमाण का स्वरुप
(ब) अभिहितान्वयवाद एवं अन्विताभिधानवाद
(स) अर्थापत्ति
(द) अनुपलब्धि

उपयोगी ग्रन्थ

1. डॉ. हरिशंकर उपाध्याय – ज्ञान मीमांसा के मूल प्रश्न
2. डॉ. संगमलाल पाण्डेय – ज्ञानमीमांसा के गूढ़ प्रश्न
3. डॉ. चन्द्रधर शर्मा – भारतीय दर्शन का अनुशीलन
4. D.M. Datta, the six ways of Knowing
5. Dr. Radhakrishnan - Indian Philosophy Vol I and II
6. Swami Satprakashanda – Method of Knowledge

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Semester wise Syllabus for P.G.
As recommended by Central board of Studies and
Approved by HE the Governor of M.P.

SS-50 (2)

FOR COLLEGE ONLY

SESSION 2013-14

पूर्णांक: 85+15=100

Class-	M.A. I Semester
Subject-	Philosophy
Paper Title	Western Epistemology (पाश्चात्य ज्ञान मीमांसा)
Semester-	प्रथम
Course II (पेपर)	द्वितीय

प्रथम इकाई – विश्वास और ज्ञान, प्रत्यय का स्वरूप/प्रत्ययात्मक ज्ञान
द्वन्द्व न्याय– सुकरात पूर्व से प्लेटो तक

द्वितीय इकाई – ज्ञान के स्त्रोत, कार्टिसियन पद्धति (देकार्तीय पद्धति) ज्ञान की कसौटी
जन्मजात प्रत्यय का स्वरूप, (आधुनिक युगः बुद्धिवाद)

तृतीय इकाई – प्रत्यय – प्राथमिक एवं गौण, गुण जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन
लॉक के दर्शन में ज्ञान की सीमायें। (आधुनिक युगः अनुभववाद)

चतुर्थ इकाई – अन्तर्ज्ञान का स्वरूप, बुद्धि की कोटियां, निर्णयों के प्रकार
संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णयों की संभावना (काण्ट)

पंचम इकाई – सत्य के सिद्धांत – स्वतः प्रमाण्यवाद, संसक्तता सिद्धांत, संवादिता सिद्धांत एवं अर्थक्रियावादी सिद्धांत।

Book Recommended:

1. Russell, B. Human Knowledge: Its Scope and Limits.
2. N. Rescher, Coherence Theory of Truth.
3. J.Hintikka, Knowledge and Belief.
4. R.M. Chicholm, Theory of Knowledge.
5. Dr. Harishankar Updhyay: Basic Questions of Epistemology (Hindi)
6. Dr. Chandradhar Sharma: Western Philosophy (Hindi)

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Semester wise Syllabus for P.G.
As recommended by Central board of Studies and
Approved by HE the Governor of M.P.

FOR COLLEGE ONLY

SESSION 2013-14

पूर्णांकः 85+15=100

Class- M.A. I Semester
Subject- Philosophy
Paper Title Modern Logic (आधुनिक तर्कशास्त्र)
Semester- प्रथम
Course III (पेपर) तृतीय

प्रथम इकाई –
1. तर्कशास्त्र की विषय वस्तु
(अ) तर्कशास्त्र का स्वरूप (ब) आगमन और निगमन
(स) तर्क वाक्य (द) सत्यता और वैधता
2. अनाकारिक या अनौपचारिक तर्क दोष
(अ) प्रासंगिक तर्कदोष (ब) संदिग्धार्थ या भाषागत दोष
(स) तर्क दोषों का परिहार

द्वितीय इकाई –
1. परिभाषा
(अ) परिभाषा का उद्देश्य (ब) परिभाषा के प्रकार
(स) परिभाषा की पद्धतियां
2. उभयतोपाश
(अ) उभयतोपाश के खण्डन के तीन मार्ग

तृतीय इकाई –
1. निरूपाधिक तर्कवाक्य
(अ) निरूपाधिक तर्कवाक्यों के मानक आकार
(ब) परम्परागत वर्ग विरोध
2. अन्य अव्यवहित अनुमान
(अ) परिवर्तन (ब) प्रतिवर्तन (स) प्रतिपरिवर्तन

चतुर्थ इकाई –
1. सत्तात्मक तात्पर्य
2. प्रतीकीकरण एवं निरपेक्ष तर्कवाक्य का आरेख
3. निरपेक्ष न्याय वाक्य
अ. निरपेक्ष न्याय वाक्यों के मानक आकार
ब. निरपेक्ष न्याय युक्ति का स्वरुप
स. न्याय वाक्यों का परीक्षण हेतु वेन रेखा पद्धति
द. नियम एवं दोष

पंचम इकाई –
कार्यकारण संबंध
(अ.) मिल की विधिया (ब) मिल की विधियों की आलोचना

Book Recommended:

1. Copi, I M: An introduction to logic.
2. Stebbing: A modern introduction to logic.
3. Cohen & Nagel: Logic and Scientific methods.
   Edit. By Prof. Gayatri Sinha.
4. Dr. Bankelal Sharma: Introduction to Logic.
5. तर्कशास्त्र के सिद्धांत : डॉ० अविनाश तिवारी

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Semester wise Syllabus for P.G.
As recommended by Central board of Studies and Approved by HE the Governor of M.P.

FOR COLLEGE ONLY

SESSION 2013-14

पूर्णांकः 85+15=100

Class-	M.A. I Semester
Subject-	Philosophy
Paper Title	भारतीय नीतिशास्त्र
Semester-	प्रथम
Course IV (पेपर)	चतुर्थ

प्रथम इकाई –	भारतीय नीतिशास्त्र के सामान्य लक्षण, भारतीय नीतिशास्त्र का विकास ऋत एवं सत्य ऋण एवं यज्ञ, योग एवं क्षेम, पुरूषार्थ
द्वितीय इकाई –	भगवद्‌गीता (निष्काम कर्मयोग, स्वधर्म, लोकसंग्रह) बौद्ध चिंतन में उपायकौशल (बुद्धयान) तथा ब्रह्मविचार (मैत्री, करूणा, मुदिता, उपेक्षा) जैन परंपरा में त्रिरत्न (दर्शन, ज्ञान एवं चरित्र)
तृतीय इकाई –	योग दर्शन के अनुसार यम तथा नियम, विदुर नीति, कौटिल्य नीति
चतुर्थ इकाई –	मीमांसा के अनुसार धर्म (विधि – निषेध, अर्थवाद) शास्त्रोपदेश, अपूर्व, साध्य– साधन, इतिकर्तव्यता, कर्म–सिद्धांत के नैतिक आपादन
पंचम इकाई –	समकालीन भारतीय नीतिशास्त्रः विवेकानन्द (सद्‌गुण) गाँधी (एकादश–व्रत), विनोवा (भूदान एवं वैश्विक नैतिकता)

Suggested Readings –

बी.एल. आत्रेय – भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास
शांति जोशी – नीतिशास्त्र
S.K. Maitra – The Ethics Of The Hindus
R. Prasad & Karma Causation and Retributive Morality
Sri Aurobindo & Essays on the Gita